हुक्म की
में जारी

12/6/15	वकील फरीकैन उप०। प्रार्थी ने उत्तरदाता प के प्रतिनिधि ने प्रा०पत्र में सम्यक प्रमाणित नहीं होने के कारण कोई जवाब पेश नहीं किया है। पत्रावली वास्ते बहस दिनांक 10/7/15 को पेश हो।
मान्यवर। सम्बन्ध वाद में शपथ पत्र प्रमाणित नहीं होता है। जवाब अपेक्षित नहीं है। 12/6/15 प्र.त. सम्पो० (पुलिस सरकार)	
10/7/15	~~हड़ताल~~ वकीलों के कन्डोलेंस के कारण पूर्वानुसार वास्ते बहस दिनांक 17/7/15 को पेश हो।
17/7/15	~~हड़ताल~~ वकीलों के कन्डोलेंस के कारण पूर्वानुसार वास्ते बहस दिनांक 24/7/15 को पेश हो।
24/7/15	~~हड़ताल~~ वकीलों के कन्डोलेंस के कारण पूर्वानुसार वास्ते बहस दिनांक 15/8/15 को पेश हो।
15/8/15	~~हड़ताल~~ वकीलों के कन्डोलेंस के कारण पूर्वानुसार वास्ते बहस दिनांक 11/9/15 को पेश हो।
11/9/15	~~हड़ताल~~ वकीलों के कन्डोलेंस के कारण पूर्वानुसार वास्ते बहस दिनांक 30/X/15 को पेश हो।
30/X/15	वकील फरीकैन उप०/SDO साहब ~~अवकाश / दौरे पर~~ स्थानान्तरण पधारे हैं। पूर्वानुसार दिनांक 5/12/15 को पेश हों।
5/12/15	वकील फरीकैन उप०/SDO साहब ~~अवकाश / दौरे पर~~ स्थानान्तरण पधारे हैं। पूर्वानुसार दिनांक 15/1/15 को पेश हों।
15/1/15	वकील फरीकैन उप०/SDO साहब ~~अवकाश / दौरे पर~~ स्थाना० पधारे हैं। पूर्वानुसार दिनांक 19/2/15 को पेश हों।
19/2/15	वकील फरीकैन उप०/SDO साहब ~~अवकाश / दौरे पर~~ स्थाना० पधारे हैं। पूर्वानुसार दिनांक 9/5/15 को पेश हों।
29/6/15	पत्रावली आज लोक अदालत में पेश हुई। प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण ने उपस्थित लोक अदालत होकर बताया कि इस प्रकरण में अब कोई विवाद नहीं है। इसको आपसी समझौते से स्वीकार कर लिया है अतः प्रा०पत्र खारिज कर दिया जावे। अतः प्रा०पत्र प्रार्थी खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कटे।
बृजमोहन मीणा / जगपाल मीणा / नि० निशानी	